एच आई वी वाईरस क्या है ?

एड्स यानी 'अकवायरड इम्यूनो डेफिशीएनसी सिनद्रोम' का आसान शब्दों में मतलब है की आपके शरीर में प्राकृतिक रूप से कीटानूओं से लड़ने वाले अंश ठीक से अपना काम नहीं कर पा रहे | एच आई वी / एड्स दुसरे मनुष्यों को केवल किसी रोगी व्यक्ति के खून अथवा यौनिक तरल से संपर्क में आने पर हो सकता है | अर्थात अगर किसी रोगी व्यक्ति का खून अथवा यौनिक तरल आपके शरीर में चला जाये तो आप भी रोगयुक्त हो सकते हैं | यह ज़्यादातर रोगी व्यक्ति के साथ यौन संबंधों से या फिर रोगी द्वारा इस्तेमाल की हुई इंजेक्शन / सुई से फैलता है. अगर नवजात शिशु की माँ एच आई वी से प्रभावित हो तो यह रोग शिशु को भी हो सकता है | एच आई वी/ एड्स रोगी व्यक्ति से हाथ मिलाने, गले मिलने या चूमने से नहीं फैलता | ना ही यह रोग छींकने से, जूठे गिलास से या फिर किसी दरवाज़े खिड़की या अन्य सतह को छूने से फैलता है | |

इस वाईरस के गौण प्रभाव क्या हैं? मैं कैसे इससे सुरक्षित रह सकता/ सकती हूँ?

एच आई वी / एड्स से कई और बीमारियाँ और संक्रामक रोग हो सकते हैं जिनसे आपका शरीर बहुत बीमार हो सकता है | एच आई वी / एड्स का कोई इलाज नहीं है किन्तु शरीर की शक्ति बढाने और रोग के असर पर काबू रखने के लिए कई दवाइयां उपलब्ध हैं | एच आई वी / एड्स से बचने का सबसे अच्छा उपाए हैं की आप नशीले पदार्थों का सेवन न करें तथा यौन संबंधों से दूर रहें | यही दोनों एच आई वी / एड्स के सबसे बड़े कारण होते हैं | अच्छी बात यह है की यह दोनों ही निवार्य है | एच आई वी / एड्स से एक व्यक्ति की आयु आधी हो सकती है | यह एक विध्वंसकारी रोग है | इसीलिए होशियार रहें -- सुरक्षित रहें | |